नगरवासियों को बेतवा से शुद्ध जल उपलब्ध होने लगेगा, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो.सैफुद्दीन सोज़) : (क) जी हां । कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा अब तक अल्प लागत शौचालयों पर 12.3 लाख रुपए और विदिशा शहर में बेतवा नदी की ठोस अपशेष प्रबंध स्कीमों पर 3.0 लाख रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है।

(ख) विदिशा शहर के किनारे बेतवा नदी को जल गुणत्ता में पिछले छः महिनों के दौरान कोई सधार नहीं हुआ क्योंकि राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना के अंतर्गत प्रदूषण निवारण कार्य अभी पूरे किये जाने हैं। विदिशा शहर की जल आपूर्ति के लिये जलग्रहण स्थल से शहर के बेतवा नदी के उर्ध्वप्रवाह पर जल गुणवत्त को कायम रखा गया है और विसंक्रमण द्वारा पारम्परिक रूप से उपचारित करके पेय जल को अपेक्षित श्रेणी "सी" के अनुरुप पाया गया।

(ग) विदिशा शहर के निवासियों को म्युनिसपल कारपोरेशन, विदिशा द्वारा पहले से ही बेतवा नदी के ऊर्ध्वप्रवाह से जल लेकर स्वछ और पीने योग्य जल की आपूर्ति की जा रही है।

Population of Elephants Lions and Tigers

4487. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey regarding the population of elephants, lions and tigers in the country;

(b) if.so, the details thereof;

(c) whether it is a fact that their number is decreasing every year;

(d) if so, the reasons therefor;

(e) the position, sanctuary and State-wise; and

(f) the steps taken to save the dwindling population of these animals?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PROF. SA1FUDDIN SOZ): (a) and (b) Yes, Sir. The comparitive figures of the last two censuses of tigher, elephant and lion are givne below:

S.No. Name of Spices	Year 1989	1993
1. Tiger	4334	3750
2. Elephant	17635—24090	22796—28396
3. Lion	284 (1990)	304 (1995)

(c) and (d) No, Sir. There has been some decline in the population of tigers may between the 1989 and 1993 census. This decline can be attributed to habitat destruction and poaching.. The 1997 census is currently under way.

(e) The State-wise population of tiger, elephant and Lion is given in the statement (see below). Sanctuary-wise details will not cover the complete population because tigers and elephants also occur in the forest area outside the sanctuaries.

(f) A number of steps are being taken to conserve endangered species. These include. Providing legal protection against hunting and commercial exploitation under the Wildlife (Protection) Act, 1972; providing assistance to the States for development of national parks and sanctuaries; implementing special projects for endangered spices such as Tiger & elephants', controlling poaching and illegal trade of wildlife through inter departmental co-ordination and providing antipoaching infrastructure in specified areas.

Statement

State-wise Population of Tiger, Elephant and Lion

SI. No.	Name of State	Tiger (1993)	*Population of* Elephant (1993)		Lion 1995)
			min.	*max.*	
1.	Andhra Pradesh	197	46	46	—
2.	Goa	3	—	—	—
3.	Bihar	137	500	600	—
4.	Mizoram	28	—	—	—
5.	Orissa	226	1500	2000	—
6.	Rajasthan	64	—	—	—
7.	Gujarat	5	—	—	304
8.	Maharashtra	276	—	—	—
9.	Karnataka	305	5000	6000	—
10.	Meghalaya	53	2500	3000	—
11.	Uttar Pradesh	465	752	1000	—
12.	Arunachal Pradesh	180	2000	3000	—
13.	Madhya Pradesh	912	—	—	—
14.	Kerala	57	3000	4000	—
15.	Tamil Nadu	97	2300	2500	—
16.	West Bengal	335	200	200	—
17.	Assam	325	5000	6000	—
18.	Nagaland	83	—	—	—
19.	Sikkim	2	—	—	—
20.	Manipur	—	—	—	—
	Total	3750	22796	28346	304

(--) Report not recieved.

पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर विदेशों के साथ समझौते

4488. **श्रीमती आनंदी ज. पटेलः** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर विचार करने के लिए भारत ने किन-किन देशों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं; और

(ख) उन समझौते से भारत के पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर क्या असर पड़ेगा और इन समझौतों का सम्पूर्ण ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो. सैफुद्दीन सोज़)

(क) भारत के कई देशों के साथ पर्यावरण के संबंध में द्विपक्षीय प्रबंध है। तथापि, भारत ने चीन और रूस के साथ पर्यावरण पर करारों पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख) भारतीय पर्यावरण से संबंधित मामलों पर इन करारों के संभावित प्रभाव ये हैं कि पर्यावरण से संबंधित मामलों से निपटने के लिए भारत की क्षमता को वैज्ञानिक कार्मिकों के दौरों का आदान-प्रदान, पर्यावरणीय रूप से अनुकूल प्रौद्योगिकी के अन्तरण को बढ़ावा देकर प्रशिक्षण सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन करके बढ़ाया जा सकता है। पूरे ब्यौरे करारों में दिए गए हैं, जिसकी प्रतियां संलग्न हैं।